>

Title : Need to start crushing of sugarcane by Sugar mills and ensure

reasonable returns to sugarcane growers in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा किसानों के गन्ने को लाभप्रद मूल्य पर न लिए जाने के कारण किसान आक्रोशित हैं। पिराई सत्र को एक माह व्यतीत हो जाने के बाद भी चीनी मिलों में गनने की पिराई शुरू नहीं हुई है। किसानों का गनना खेत में खड़ा रहने के कारण रबी की बुवाई भी पिछड़ रही है। पूरे उत्तर भारत में किसानों का आंदोलन चल रहा है। राज्य सरकार द्वारा घोÂिात गन्ने का मूल्य 165-170 रूपया भी उत्तर प्रदेश की निजी क्षेत्र की चीनी मिलें देने को तैयार नहीं हैं। जबकि दूसरी तरफ किसानों को मंहगे दामों में खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाओं के खरीदने के कारण गन्ने का लागत मूल्य काफी बढ़ गया है। इसीलिए किसानों द्वारा गन्ने का लाभप्रद लागत मूल्य 250 रूपए क्विंटल की मांग की जा रही है। केन्द्र सरकार ने भी राज्य सरकारों को सुझाव दिया है कि राज्य द्वारा परामर्श मूल्य किसानों के हितों को दÂिटगत रखते हुए तय किया जाना चाहिए जिससे किसानों को लाभकारी एवं उचित मूल्य मिल सके। चीनी मिलों द्वारा पिराई शुरू न किए जाने के कारण चीनी के उत्पादन में भी कमी आने की संभावना है जिससे भविÂय में चीनी और मंहगी होगी।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि वह किसानों को उनके गन्ने का उचित मूल्य देने एवं चीनी मिलों द्वारा अविलम्ब गन्नों की पिराई का कार्य शीघ्र शुरू किया जाना सुनिश्चित करें।